SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Junior Accountant and Junior Assistant — Rajasthan State Power Companies

राजस्थान की पाँच राज्य विद्युत कंपनियाँ अपने लेखा एवं लिपिकीय पद भी उसी संयुक्त भर्ती से भरती हैं जिससे कनिष्ठ अभियंता के पद भरे जाते हैं। इस विज्ञप्ति में दो पद हैं और वे एक-दूसरे से काफ़ी भिन्न हैं: कनिष्ठ लेखाकार, जो स्नातक...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-power-junior-accountant

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

राजस्थान की पाँच राज्य विद्युत कंपनियाँ अपने लेखा एवं लिपिकीय पद भी उसी संयुक्त भर्ती से भरती हैं जिससे कनिष्ठ अभियंता के पद भरे जाते हैं। इस विज्ञप्ति में दो पद हैं और वे एक-दूसरे से काफ़ी भिन्न हैं: कनिष्ठ लेखाकार, जो स्नातक स्तर का पद है और कंपनियों के लेखा, बिल एवं वित्तीय अभिलेख सँभालता है; तथा कनिष्ठ सहायक / वाणिज्यिक सहायक-II, जो कक्षा 12 स्तर का पद है और कार्यालय, उपभोक्ता-सेवा एवं वाणिज्यिक कार्य से जुड़ा है। बिजली का तंत्र केवल तकनीकी नहीं है — हर उपभोक्ता का संयोजन, मीटर, बिल एवं भुगतान एक बड़े लेखा एवं वाणिज्यिक तंत्र से चलता है, और ये दोनों पद उसी का आधार हैं। दोनों की भर्ती एक ही विज्ञप्ति, एक ही आयु-नियम एवं एक ही चयन-प्रक्रिया से होती है, इसलिए उन्हें एक साथ समझना उपयोगी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कनिष्ठ लेखाकार — वाणिज्य अथवा व्यवसाय प्रशासन में स्नातक, अथवा आई.सी.ए.आई./आई.सी.डब्ल्यू.ए. की इंटरमीडिएट, अथवा एम.बी.ए., अथवा दो वर्ष की एम.कॉम.। कनिष्ठ सहायक — वरिष्ठ उपाध्याय (कक्षा 12)। दोनों के साथ एक कंप्यूटर योग्यता भी अनिवार्य
भर्ती संस्था	राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड — पाँचों राज्य विद्युत कंपनियों हेतु संयुक्त भर्ती
आयु-सीमा	18 से 40 वर्ष — किंतु 01.01.2027 को ऊपरी सीमा 43 वर्ष है, क्योंकि पिछले तीन वर्षों में सीधी भर्ती नहीं हुई थी — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	कनिष्ठ लेखाकार — लेवल-10, मूल ₹33,800 (परिवीक्षा के दो वर्ष ₹23,700 नियत)। कनिष्ठ सहायक — लेवल-5, मूल ₹20,800 (परिवीक्षा में ₹14,600 नियत)
माँग	एक संयुक्त विज्ञप्ति, पाँच कंपनियाँ, दो पद — कनिष्ठ अभियंता की भर्ती भी इसी चक्र में चलती है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लेखा, बिल एवं वित्तीय अभिलेख के व्यवस्थित काम में रुचि
- एक बड़े सार्वजनिक उपक्रम के भीतर स्थायी सेवा
- कार्यालय एवं उपभोक्ता-सेवा से जुड़ा काम

क्षमताएँ

- संख्याओं में सटीकता — लेखा एवं बिल में एक गलती उपभोक्ता तक पहुँचती है
- धैर्य एवं शिष्टता, क्योंकि वाणिज्यिक पदों पर उपभोक्ताओं से सीधा सामना होता है
- कंप्यूटर पर काम करने की व्यावहारिक क्षमता, जो नियम की शर्त भी है

ज़रूरी कौशल

- लेखांकन के सिद्धांत एवं व्यावहारिक बहीखाता
- कार्यालय-प्रक्रिया, नस्ती एवं अभिलेख
- सामान्य ज्ञान एवं तर्कशक्ति — लिखित परीक्षा का भाग
- कंप्यूटर पर लेखा एवं बिलिंग प्रणालियों का उपयोग
- उपभोक्ता-सेवा एवं शिकायत-निवारण की प्रक्रिया
- स्प्रेडशीट एवं सामान्य कार्यालय सॉफ़्टवेयर

4 कैसे पहुँचें

1. कनिष्ठ लेखाकार के लिए: वाणिज्य अथवा व्यवसाय प्रशासन में स्नातक करें। विज्ञप्ति इसके विकल्प भी देती है — भारतीय लागत लेखाकार संस्थान, कोलकाता की इंटरमीडिएट अथवा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान, नई दिल्ली की आई.पी.सी.सी./इंटरमीडिएट; अथवा एम.बी.ए. (जिसमें एम.बी.ए. के समकक्ष घोषित दो वर्ष का पी.जी. डिप्लोमा इन बिज़नेस मैनेजमेंट भी सम्मिलित है); अथवा कम से कम दो वर्ष की एम.कॉम.।

2. कनिष्ठ सहायक / वाणिज्यिक सहायक-II के लिए: मान्यता प्राप्त बोर्ड से वरिष्ठ उपाध्याय (कक्षा 12) अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करें। संकाय की कोई शर्त नहीं है।

3. दोनों पदों के लिए एक कंप्यूटर योग्यता भी अनिवार्य है — यह "और" वाली शर्त है, विकल्प नहीं। स्वीकृत सूची लंबी एवं उदार है: डोएक "ओ" अथवा उच्चतर स्तर प्रमाण-पत्र; एन.आई.ई.एल.आई.टी., नई दिल्ली का कंप्यूटर कॉन्सेप्ट प्रमाण-पत्र; कोपा अथवा डी.पी.सी.एस.; कंप्यूटर विज्ञान अथवा कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिग्री, डिप्लोमा अथवा प्रमाण-पत्र; कंप्यूटर विज्ञान विषय सहित वरिष्ठ उपाध्याय; पॉलिटेक्निक से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में डिप्लोमा; तथा आर.एस.-सी.आई.टी.।

4. इस सूची में एक विकल्प ऐसा है जिसे अलग से पढ़ लेना चाहिए, क्योंकि वह अधिकांश वाणिज्य स्नातकों के पास पहले से होता है: "स्नातक डिग्री / उच्चतर योग्यता / सी.ए. (आई.टी.टी. प्रमाण-पत्र) / आई.सी.डब्ल्यू.ए. / सी.एस. / एम.बी.ए. में किसी एक सेमेस्टर अथवा वर्ष में कंप्यूटर से संबंधित एक विषय"। अर्थात् यदि आपकी बी.कॉम. में किसी भी एक सेमेस्टर में कंप्यूटर का एक प्रश्न-पत्र रहा है, तो यह शर्त पहले ही पूरी है और कोई प्रमाण-पत्र खरीदने की आवश्यकता नहीं। सी.ए. करने वालों के लिए आई.टी.टी. प्रमाण-पत्र भी इसी में गिना गया है।

5. आयु के नियम पर ध्यान दें, क्योंकि इस चक्र में वह सामान्य से अधिक उदार है। सामान्य नियम 18 से 40 वर्ष है, गणना आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को। किंतु विज्ञप्ति स्पष्ट रूप से कहती है कि पिछले तीन वर्षों में सीधी भर्ती नहीं हुई थी, इसलिए 01.01.2027 को ऊपरी सीमा 43 वर्ष होगी। इसके ऊपर आरक्षित वर्गों तथा सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए पाँच वर्ष की छूट अलग से है।
6. ऊर्जा विभाग के पोर्टल पर विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें। भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड नहीं कराता, इसलिए सूचनाएँ वहाँ नहीं आतीं।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सबसे पहले यह जान लें कि ये दो पद एक ही विज्ञप्ति में हैं पर उनका स्तर बहुत अलग है, और यह अंतर वेतन में स्पष्ट दिखता है। कनिष्ठ लेखाकार स्नातक स्तर का पद है और वह पे मैट्रिक्स के लेवल-10 पर आता है, मूल वेतन ₹33,800। कनिष्ठ सहायक / वाणिज्यिक सहायक-II कक्षा 12 स्तर का पद है और वह लेवल-5 पर आता है, मूल वेतन ₹20,800। अर्थात् स्नातक होने से इसी एक विज्ञप्ति के भीतर वेतन-स्तर पाँच स्तर ऊपर जाता है, और यह उन विद्यार्थियों के लिए ठोस जानकारी है जो कक्षा 12 के बाद यह तय कर रहे हैं कि आगे पढ़ें या नहीं।
- कनिष्ठ लेखाकार की योग्यता असामान्य रूप से खुली है और यह ध्यान देने योग्य है। वाणिज्य अथवा व्यवसाय प्रशासन में स्नातक तो चलता ही है, पर उसके साथ सी.ए. अथवा लागत लेखाकार की इंटरमीडिएट भी, एम.बी.ए. भी, और दो वर्ष की एम.कॉम. भी। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि जो विद्यार्थी सी.ए. अथवा सी.एम.ए. की तैयारी कर रहा है और अंतिम स्तर तक नहीं पहुँच पाया, उसके लिए भी यह पद खुला है — इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना ही पर्याप्त है। बहुत-से विद्यार्थी यह नहीं जानते और स्वयं को अपात्र मान लेते हैं।
- परिवीक्षा की शर्त दोनों पदों पर लागू है और उसे आर्थिक योजना में गिनना चाहिए। चयनित अभ्यर्थी दो वर्ष के लिए "परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु" के रूप में लिए जाते हैं और उस पूरी अवधि में नियत पारिश्रमिक मिलता है — कनिष्ठ लेखाकार को ₹23,700 मासिक तथा कनिष्ठ सहायक को ₹14,600 मासिक। पूरा वेतनमान परिवीक्षा-प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद ही आरंभ होता है। दो वर्ष छोटी अवधि नहीं है और यह बात विज्ञप्ति में स्पष्ट लिखी है, इसलिए इसे पहले से जानकर योजना बनानी चाहिए।
- कंप्यूटर की शर्त पर एक बात दोहराने योग्य है क्योंकि उसमें एक विकल्प छिपा हुआ है। सूची में "स्नातक डिग्री अथवा उच्चतर योग्यता में किसी एक सेमेस्टर या वर्ष में कंप्यूटर से संबंधित एक विषय" भी स्वीकार्य है, और सी.ए. का आई.टी.टी. प्रमाण-पत्र भी। अर्थात् अधिकांश वाणिज्य स्नातक यह शर्त पहले ही पूरी कर चुके होते हैं और उन्हें आर.एस.-सी.आई.टी. जैसा कोई अलग पाठ्यक्रम करने की आवश्यकता नहीं। जिनकी डिग्री में कंप्यूटर का कोई विषय नहीं रहा, उनके लिए आर.एस.-सी.आई.टी. सबसे सस्ता एवं सुलभ विकल्प है।

- इस चक्र की आयु-सीमा पर ध्यान दें क्योंकि वह अस्थायी उदारता है, स्थायी नियम नहीं। सामान्य ऊपरी सीमा 40 वर्ष है, पर पिछले तीन वर्षों में सीधी भर्ती न होने के कारण इस चक्र में वह 43 वर्ष कर दी गई है। यह वही तर्क है जिसके कारण कनिष्ठ अभियंता की भर्ती में प्रसारण निगम की सीमा 43 वर्ष है। इसका अर्थ यह भी है कि अगली भर्ती में यह छूट रहेगी या नहीं, यह नहीं कहा जा सकता — इसलिए जो अभ्यर्थी 40 पार कर चुके हैं उनके लिए यह चक्र विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan and the state universities — B.Com., B.B.A. and M.Com., all of which qualify for Junior Accountant — जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर एवं कोटा (https://uniraj.ac.in/)
- Government colleges across Rajasthan — commerce degrees at very low fees — लगभग हर ज़िले में (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- RS-CIT centres of Rajasthan Knowledge Corporation Limited — for candidates whose degree carried no computer subject — राजस्थान के सभी ज़िलों में (https://www.rkcl.in/)
- Rajasthan State Open School — for completing Class 12 alongside work, which is the Junior Assistant qualification — जयपुर एवं ज़िला केंद्र (https://education.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- ऊर्जा विभाग, राजस्थान — संयुक्त भर्ती की विज्ञप्तियाँ यहीं आती हैं — पाँचों विद्युत कंपनियाँ इसी पोर्टल पर हैं (https://energy.rajasthan.gov.in/)
- भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान — सी.ए. इंटरमीडिएट एवं आई.टी.टी. प्रमाण-पत्र — दोनों इस पद की योग्यता में गिने गए हैं (https://www.icai.org/)

- राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग — क्षेत्र को समझने के लिए — जयपुर, राजस्थान (https://rerc.rajasthan.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

दोनों पदों की शैक्षणिक लागत कम है और यही इनकी सबसे बड़ी सुलभता है। कनिष्ठ सहायक के लिए कक्षा 12 चाहिए, जो राजकीय विद्यालय से लगभग निःशुल्क हो जाती है और पढ़ाई छूट जाने पर राज्य मुक्त विद्यालय से काम के साथ पूरी की जा सकती है। कनिष्ठ लेखाकार के लिए वाणिज्य में स्नातक चाहिए, और बी.कॉम. राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों में बहुत कम शुल्क पर तथा लगभग हर ज़िले में उपलब्ध है। कंप्यूटर की शर्त पर अधिकांश अभ्यर्थियों को कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ता, और यह बात जान लेना पैसे की सीधी बचत है: विज्ञप्ति स्नातक डिग्री के किसी एक सेमेस्टर में कंप्यूटर का एक विषय भी स्वीकार करती है, तथा सी.ए. का आई.टी.टी. प्रमाण-पत्र भी। अर्थात् अधिकांश बी.कॉम. स्नातक यह शर्त पहले ही पूरी कर चुके होते हैं। जिनकी डिग्री में ऐसा कोई विषय नहीं था, उनके लिए आर.एस.-सी.आई.टी. कुछ हज़ार रुपये में हो जाता है और हर ज़िले में उपलब्ध है। एक बात आर्थिक योजना के लिए स्पष्ट रूप से जान लें: चयन के बाद दो वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु के रूप में नियत पारिश्रमिक मिलता है — कनिष्ठ लेखाकार को ₹23,700 एवं कनिष्ठ सहायक को ₹14,600 मासिक — और पूरा वेतनमान उसके बाद आरंभ होता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

पाँचों विद्युत कंपनियों के मुख्यालय, वृत्त एवं उपखंड कार्यालय, तथा वितरण निगमों के उपभोक्ता-सेवा केंद्र — पूरे राजस्थान में। काम मुख्यतः कार्यालय के भीतर होता है।

कार्य-संस्कृति

ये दोनों पद बिजली के तंत्र के उस हिस्से में हैं जो दिखाई नहीं देता पर जिसके बिना तंत्र चल नहीं सकता। कनिष्ठ लेखाकार का काम कंपनियों के लेखा, भुगतान, बिल एवं वित्तीय अभिलेख का है — एक ऐसे संगठन में जहाँ लाखों उपभोक्ताओं का हिसाब चलता है, इसलिए सटीकता की माँग वास्तविक है और एक गलती आगे तक जाती है। कनिष्ठ सहायक एवं वाणिज्यिक सहायक का काम कार्यालय, अभिलेख एवं उपभोक्ता-सेवा का है, और यहीं इस पद का सबसे कठिन पक्ष भी है: बिजली से जुड़ी शिकायतें प्रायः गुस्से के साथ आती हैं — बिल अधिक आ गया, संयोजन नहीं हुआ, आपूर्ति बाधित रही — और उन्हें सबसे पहले सुनने वाला यही कर्मचारी होता है। धैर्य यहाँ पेशेवर आवश्यकता है, स्वभाव की बात नहीं। दिनचर्या अपेक्षाकृत निश्चित रहती है और तैनाती प्रायः कार्यालय में होती है, इसलिए यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो क्षेत्र-कार्य नहीं चाहते। दोनों पद सार्वजनिक उपक्रम के हैं, इसलिए सेवा-शर्तें कंपनी के नियमों से चलती हैं, और आगे बढ़ने का मार्ग कंपनी के भीतर पदोन्नति से खुलता है।

कौन नौकरी देता है

- राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम (आर.वी.यू.एन.)
- राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम (आर.वी.पी.एन.)
- जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम
- वितरण निगमों के उपभोक्ता-सेवा केंद्र एवं वाणिज्यिक शाखाएँ

माँग (2026)

बिजली के तंत्र का लेखा एवं वाणिज्यिक पक्ष उतना ही स्थायी है जितना तकनीकी — लाखों उपभोक्ताओं का बिलिंग, भुगतान एवं अभिलेख निरंतर चलता है, इसलिए इन संवर्गों की आवश्यकता बनी रहती है। साथ में तीन बातें ईमानदारी से जान लेनी चाहिए। पहली, भर्ती लंबे अंतराल पर आती है — विज्ञप्ति स्वयं बताती है कि पिछले तीन वर्षों में सीधी भर्ती नहीं हुई थी, और इसी कारण इस चक्र में आयु-सीमा बढ़ानी पड़ी। दूसरी, कनिष्ठ सहायक की योग्यता कक्षा 12 है, इसलिए उस पद पर आवेदकों की संख्या बहुत बड़ी होती है और प्रतिस्पर्धा तीव्र रहती है; कनिष्ठ लेखाकार की योग्यता संकीर्ण है, इसलिए वहाँ दायरा छोटा है। तीसरी, चयन के बाद दो वर्ष नियत पारिश्रमिक पर बीतते हैं। इसके विरुद्ध सुविधा यह है कि वही योग्यता एवं वही तैयारी राजस्थान की अन्य लेखा एवं लिपिकीय भर्तियों में भी काम आती है — कनिष्ठ लेखाकार, कनिष्ठ सहायक, सचिवालय लिपिक — क्योंकि उनका स्तर एवं पाठ्यक्रम काफ़ी हद तक साझा है। पदों की संख्या कंपनियों की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. परिवीक्षाधीन प्रशिक्षु — दो वर्ष, नियत पारिश्रमिक (लेखाकार ₹23,700, सहायक ₹14,600)
2. कनिष्ठ सहायक / वाणिज्यिक सहायक-II — लेवल-5, मूल ₹20,800
3. कनिष्ठ लेखाकार — लेवल-10, मूल ₹33,800; स्नातक योग्यता पर पाँच स्तर ऊपर
4. वरिष्ठ लेखा एवं वाणिज्यिक पद — कंपनी के भीतर पदोन्नति द्वारा

कमाई

शुरुआत	कनिष्ठ लेखाकार — राजस्थान पे मैट्रिक्स लेवल-10, मूल ₹33,800; कनिष्ठ सहायक — लेवल-5, मूल ₹20,800
मध्य स्तर	₹35,000 – ₹55,000 (भत्तों सहित, पद एवं कुछ वर्षों की सेवा के अनुसार)
वरिष्ठ स्तर	₹70,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ स्तर पर)

दोनों आँकड़े विज्ञप्ति की वेतन-तालिका से सीधे लिए गए हैं, अनुमान नहीं हैं। तालिका स्पष्ट रूप से देती है: कनिष्ठ लेखाकार — लेवल एल-10, पे मैट्रिक्स का न्यूनतम ₹33,800 मासिक, परिवीक्षा अवधि में नियत ₹23,700; कनिष्ठ सहायक / वाणिज्यिक सहायक-II — लेवल एल-5, न्यूनतम ₹20,800 मासिक, परिवीक्षा अवधि में नियत ₹14,600। इन आँकड़ों की दो स्वतंत्र पुष्टि भी है: एल-10 का ₹33,800 इसी संयुक्त भर्ती की कनिष्ठ अभियंता विज्ञप्ति से मेल खाता है, और एल-5 का ₹20,800 इस पोर्टल पर पटवारी के पृष्ठ पर पहले से प्रकाशित है। परिवीक्षा के दो वर्ष इस पद की वास्तविक आर्थिक शर्त हैं और उन्हें योजना में गिनना चाहिए। एक सावधानी: ये स्तर राजस्थान के पे मैट्रिक्स के हैं, केंद्र के नहीं — केंद्र के मैट्रिक्स का लेवल-10 ₹56,100 है, जो भिन्न संख्या है; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कनिष्ठ लेखाकार की योग्यता खुली है — बी.कॉम., बी.बी.ए., एम.कॉम., एम.बी.ए., तथा सी.ए./सी.एम.ए. की इंटरमीडिएट भी
- अधिकांश वाणिज्य स्नातकों की कंप्यूटर शर्त डिग्री के एक विषय से ही पूरी हो जाती है
- इस चक्र में ऊपरी आयु-सीमा 43 वर्ष, क्योंकि तीन वर्ष भर्ती नहीं हुई थी
- स्नातक होने से इसी विज्ञप्ति में वेतन-स्तर पाँच स्तर ऊपर — लेवल-5 से लेवल-10

चुनौतियाँ

- चयन के बाद दो वर्ष नियत पारिश्रमिक पर — कनिष्ठ सहायक के लिए केवल ₹14,600 मासिक
- भर्ती लंबे अंतराल पर आती है; पिछले तीन वर्षों में नहीं हुई थी
- 43 वर्ष की सीमा इसी चक्र की छूट है, स्थायी नियम नहीं
- वाणिज्यिक पदों पर उपभोक्ताओं की शिकायतें प्रायः गुस्से के साथ आती हैं

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. ऊर्जा विभाग, राजस्थान — संयुक्त भर्ती की विज्ञप्तियाँ — https://energy.rajasthan.gov.in/

2. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आई.सी.ए.आई.) — https://www.icai.org/

3. राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड — आर.एस.-सी.आई.टी. — https://www.rkcl.in/

4. राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग — https://rerc.rajasthan.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in